aii ea

सेन्ट्रल जोन इंश्योरेंस एम्पलाईज एसोसियेशन

(ए.आई.आई.ई.ए. से संबद्ध)

33, प्रभांजलि, आर.डी.ए. कालोनी, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

cz iea

परिपत्र/विशेष

क्षेत्रीय कामकाजी महिला समन्वय समिति

दिनांक : 5.8.2019

मध्य क्षेत्र के समस्त साथियों के नाम

विषय : सीजेडआईईए का छठवां महिला सम्मेलन उत्साह के साथ रायपुर में संपन्न ।

पूर्व निर्णयानुसार सीजेडआईईए के महिला सम्मेलन का आयोजन आरडीआईईयू के द्वारा कॉमरेड एन एम सुंदरम नगर , गिरिराज होटल, रायपुर में दिनांक 28 जुलाई 2019, रविवार को हुआ । शनिवार की शाम को ही आरडीआईईयू के साथियों ने उत्साह एवं उमंग के साथ सम्मेलन स्थल को बेहतरीन सजावट कर दिया था । विभिन्न मंडलों के साथियों का आगमन भी शनिवार प्रात: हो गया था । रविवार की सुबह उत्सव पूर्ण माहौल में सभी मंडलों के प्रतिनिधियों और रायपुर की समस्त शाखाओं की महिला साथियों और आरडीआईईयू के पदाधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति में सबसे वरिष्ठ आरडीआईईयू के सहसचिव साथी कॉमरेड गंगा साहू ने ध्वजारोहण किया, शहीद वेदी पर पुष्पांजलि अर्पित कर सभी साथियों ने सभागार में प्रवेश किया । अध्यक्ष मंडली में कामरेड गीता पंडित रायपुर, कामरेड संगीता झा बिलासपुर, कामरेड जया डेकाटे भोपाल और कामरेड रंजना तिवारी जबलपुर के नाम का प्रस्ताव कामरेड उषा परगनिहा ने किया जिसका समर्थन कामरेड अनसुईया ठाकुर ने किया । सम्मेलन की मुख्य अतिथि कामरेड उषा वैरागकर आठले, शिक्षाविद, लेखिका थी। विशिष्ट अतिथि एआईआईईए के सहसचिव कामरेड बी. सान्याल तथा सीजेडआईईए के महासचिव कामरेड धर्मराज महापात्र थे। पुष्पगुच्छों से अतिथियों के स्वागत और सम्मान के पश्चात आरडीआईईयू की महिला समिति के साथियों ने स्वागत गीत और जनगीत प्रस्तुत किया । शोक प्रस्ताव के पठन के पश्चात मौन श्रद्धांजलि दी गई ।

उद्घाटन भाषण देते हुए कामरेड उषा वैरागकर आठले ने महिला साथियों के उत्साह की सराहना की और सार्वजनिक क्षेत्र के अन्य संस्थानों से हटकर महिलाओं की सक्रियता को पहले से बनी छवि से अलग बताया । उन्होंने कहा प्रकृति प्रदत्त लिंग के कारण महिलाएं पिछड़ी नहीं है, स्त्री पैदा नहीं होती, परवरिश में भेदभाव से बनाई जाती है अत: परवरिश सही तरीके से वैज्ञानिक दृष्टिकोण से करें । महिलाओं के साथ शारीरिक, सामाजिक, मानसिक, धार्मिक अपराध होते हैं । समानता के लिए केवल आर्थिक ही नहीं जाति उन्मूलन भी जरूरी है । उन्होंने कहा कि हमारे अपने व्यवहार में भी वैचारिक और व्यवहारिक दोहरापन न हो । सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि पूंजीपतियों, नौकरशाहों और राजनीतिज्ञों के गठजोड़ के कारण ही आदिवासियों को उनकी जमीन से खदेड़ा जा रहा है, विरोध करने वालों को नक्सली और शहरी नक्सली कह कर जेल भेजा जा रहा है । रोजगार देने वाले सार्वजनिक उद्योगों (रेलवे, विमानतल, संचार, राज्य परिवहन, विद्युत मंडल) को निजी हाथों में देकर बेरोजगारी को बढ़ावा दिया जा रहा है । शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का भी निजीकरण कर, इसे गरीबों की पहुंच से दूर किया जा रहा है । इन सब के खिलाफ एकजुट संघर्ष जरूरी है हर उस आंदोलन में हमारी भागीदारी दर्ज होनी चाहिए, जहां आवश्यक है ।

एआईआईईए के सहसचिव कामरेड बी सान्याल ने अपने उद्बोधन में कहा कि आमतौर पर महिलाएं ट्रेड यूनियन गतिविधियों से दूर रहती थी, तब बड़ी संख्या में सदस्यों की निष्क्रियता को ट्रेड यूनियन के लिए हानिकारक मानकर एआईआईईए ने महिलाओं के अलग से सम्मेलन के विषय में सोचा और 1988 के जयपुर सम्मेलन में इसका निर्णय लिया । महिलाओं के ट्रेड यूनियन में सक्रिय होने से ट्रेड यूनियन घर तक जाता है, विचारधारा पहुंचती है । उन्होंने एनडीए सरकार के बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना पर कहा इनके समय में महिलाओं के प्रति अपराध बढ़े हैं । महिलाओं के सम्मान की रक्षा करने के नाम पर यह महिलाओं को घर की चहारदीवारी के अंदर रहकर केवल चूल्हा-चौका और बच्चे पालने को कहते हैं जो महिला यह ना करें उसे छोड़ दो यह भी उनके द्वारा कहा जा रहा है । उन्होंने कहा कि सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ, महिलाओं के सम्मान के लिए संघर्ष करना और अंधविश्वास के खिलाफ काम करना ट्रेड यूनियन की जिम्मेदारी है। धन्यवाद ज्ञापन के साथ उद्घाटन सत्र समाप्त हुआ ।

प्रतिनिधि सत्र में क्षेत्रीय कामकाजी महिला समन्वय समिति की संयोजिका द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया । रिपोर्ट पर चर्चा का

प्रारंभ काम. अंजना बाबर , रायपुर ने किया , काम. दीपिका सक्सेना इंदौर, काम. गायत्री सूरी जबलपुर, संगीता मलिक शहडोल , काम. मोनिका अवस्थी, काम. नीता खंडेलवाल सतना, काम. मंजू शील, काम. गीता सिंह भोपाल, काम. संगीता झा, कामरेड अलका गुप्ता बिलासपुर काम. गंगा साहू, काम. अनसुईया ठाकुर काम. सुनीता सिंह ग्वालियर ने बहस में भागीदारी कर रिपोर्ट को समृद्ध किया । चर्चा का समापन करते हुए काम. ऊषा ने कहा कि उच्च पद पर एक-दो महिलाओं के पहुंचने से नहीं बल्कि सभी महिलाओं को उनकी क्षमता के अनुसार उन्नति के समान अवसर मिले तभी महिलाओं का सशक्तिकरण होगा । महिलाओं को कुछ भी गलत नजर आए तो आवाज उठाना चाहिए, विरोध करना चाहिए। सांगठनिक सक्रियता से हम सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक रूप से जागरूक होते हैं, जो हमारे संघर्ष की आवश्यकता है । अत: सभी साथियों को सांगठनिक रूप से सक्रिय होना चाहिए और अपनी सांगठनिक जागरूकता को समाज के अन्य हिस्से तक विस्तारित करना चाहिए । इसके पश्चात रिपोर्ट सर्वसम्मति से पारित हुआ ।

विशिष्ट अतिथि सीजेडआईईए के महासचिव कामरेड डी.आर. महापात्र ने सम्मेलन को संबोधित किया उन्होंने कहा कि एलआईसी में महिलाओं को सुरक्षा और अवसरों की समानता एआईआईईए के कारण है । उन्होंने कहा कि देश में माहौल बहुत चिंताजनक है बलात्कार को धार्मिक रूप दिया गया (कठुआ), सोनभद्र में आदिवासियों का नरसंहार,एनआरसी में पूर्व राष्ट्रपति के परिवारजनों का नाम नहीं होना (धार्मिक कारण) । महिला वित्त मंत्री द्वारा बजट में महिलाओं की सुविधा के बजट में कमी, निर्भया फंड में कमी और महिलाओं के सम्मान सुरक्षा की बातें, कथनी और करनी में बड़ा अंतर है । उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की नीति और सांप्रदायिकता सबका निशाना महिलाएं ही होती है इसीलिए हमारी आवश्यकता है एकता । इन कठिन परिस्थितियों के खिलाफ हमें संघर्ष करना है । हम लड़ेंगे तो निश्चय ही परिस्थितियां बदलेगी ।

सम्मेलन में निम्ननिर्णय लिया गया-

- एआईआईईए और सीजेडआईईए के प्रत्येक आह्वान पर सक्रिय भागीदारी दर्ज करेंगे ।
- राष्ट्रीय कृत बीमा उद्योग सहित समस्त सार्वजनिक उद्योगों की रक्षा हेतु संघर्ष में साथ रहेंगे ।
- महिलाओं के खिलाफ बढ़ रही हिंसा और अपराध का विरोध करेंगे ।
- सांप्रदायिकता अंधविश्वास और रूढ़िवादिता के खिलाफ संघर्ष करेंगे और जागरूकता अभियान में शामिल होंगे ।
- विधायिका में महिलाओं के लिए 33प्रतिशत आरक्षण हेतु संघर्ष करेंगे ।
- कार्यस्थल पर आवश्यक सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए संघर्ष करेंगे ।
- जनवादी आंदोलनों में भागीदारी करेंगे ।
- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सार्थक कार्यक्रम करेंगे ।

अगले सत्र हेतु समन्वय समिति का प्रस्ताव कामरेड उषा ने रखा जो इस प्रकार है -

● उषा परगनिहा	संयोजिका
● गीता पंडित	रायपुर मंडल
● गंगा साहू	रायपुर मंडल
● मंजू शील	भोपाल मंडल
● जया डेकाटे	भोपाल मंडल
● सुधा पंताने	इंदौर मंडल
● श्रुति सोलंकी	इंदौर मंडल
● सुनीता सिंह	ग्वालियर मंडल
● अमिता ग्वालेहकर	ग्वालियर मंडल
● मोनिका अवस्थी	सतना मंडल
● मेबिल जोसफ	सतना मंडल
● गायत्री सूरी	जबलपुर मंडल
● रंजना तिवारी	जबलपुर मंडल
● संगीता मलिक	शहडोल मंडल
● विनीता पंत	शहडोल मंडल
● संगीता झा	बिलासपुर मंडल
● अलका गुप्ता	बिलासपुर मंडल

सीजेडआईईए के सहसचिव काम. व्ही. एस बघेल ने प्रस्ताव का समर्थन किया । मिनट्स लेखन कामरेड अंजना बाबर, मोनिका अवस्थी, विनीता पंत,सुनीता सिंह और दीपिका सक्सेना ने किया। कार्यक्रम में 175 महिलाओं की भागीदारी रही जिसमें 64 महिलाएं रायपुर मंडल के बाहर से आई थी। आभार प्रदर्शन आरडीआईईयू के महासचिव कामरेड अतुल देशमुख ने किया । सम्मेलन में सभी महिला साथियों ने इस सम्मेलन को शानदार ढंग से आयोजित करने के लिए आरडीआईईयू के प्रत्येक सदस्य का अभिनंदन किया।

क्रांतिकारी अभिवादन के साथ

आपकी साथी

उषा

(ऊषा परगनिहा)

संयोजिका